पुणे विश्वविदयालय, पुणे
तृतीय वर्ष साहित्य
हिंदी विशेष ४
(भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा)

पाठ्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष : २०१०—११,२०११—१२,२०१२—१३)

उद्देश्य :—

१. भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की छात्रों को जानकारी देना।
२. हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से छात्रों को परिचित कराना।
३. छात्रों को राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।
४. छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण करना।
५. भाषाविज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।
६. भाषाविज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करना।
७. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

अध्यापन पद्धति :—

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२. संगोष्ठी,स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३. हिंदी की बोलियों का भौगोलिक रेखांकन एवं आलेख तैयार करना।
४. दृक—श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।
५. भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रात्यक्षिकों की सहायता।
६. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
७. अतिथियों के व्याख्यान।

पुणे विश्वविदयालय
ततीय वर्ष साहित्य २००४ पॅटर्न
हिंदी : विशेष —४
भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
शैक्षणिक वर्ष —२०१०—११,२०११—१२,२०१२—१३
प्रथम सत्र

पाठ्यक्रम :

१. भाषा की परिभाषाएँ और स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ।

२. भाषा के विविध रूप — बोली,विभाषा (उपभाषा) , प्रादेशिक भाषा,परिनिष्ठित भाषा,राजभाषा,राष्ट्रभाषा,संपर्क भाषा,संचार भाषा ।

३. हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय

मैथिली,ब्रज,अवधी,खडीबोली,मारवाडी,भोजपुरी,दक्खिनी।

उपर्युक्त बोलियों का भौगोलिक क्षेत्र,उपबोलियॉ,साहित्य,विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित ।

४. भाषा विकास के प्रमुख वाद —

शारीरिक विभिन्नतावाद, भौगोलिक विभिन्नतावाद, सांस्कृतिक विभिन्नतावाद,प्रयत्नलाघव।

५. हिंदी का शब्दसमूह —

उद्गम के आधार पर वर्गीकरण — तत्सम,तद्भव,देशज,विदेशी आगत शब्दों का परिचय।

६. अ.राजभाषा हिंदी के संवैधानिक रूप का परिचय।

आ.राजभाषा अधिनियम १९६३ (संशोधित) का ज्ञान।

इ. राजभाषा अधिनियम १९७६ का ज्ञान।

ई. राजभाषा आंदोलन का इतिहास।

उ. राष्ट्रभाषा हिंदी — प्रसार संस्थाएँ —

१. काशी नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी

२. हिंदी साहित्य संमेलन,प्रयाग

३. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा,मद्रास (चेन्नई.)

४. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति,वर्धा

५. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा,पुणे

द्वितीय सत्र

१. ;प्द्धभाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंग,भाषाविज्ञान की शाखाएँ

;प्द्धभाषाविज्ञान और अन्य विज्ञान—

१. भाषाविज्ञान और व्याकरण

२. भाषाविज्ञान और इतिहास

३. भाषाविज्ञान और भूगोल

४. भाषाविज्ञान और समाजविज्ञान

२. ध्वनिविज्ञान — ध्वनिविज्ञान की परिभाषा,ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणाली,स्वर और व्यंजनों का वर्गीकरण,ध्वनिगुण।

३. पदविज्ञान — शब्द और पद,पद और संबंधतत्व, संबंधतत्व के प्रकार,पदसंबंधी रूप परिवर्तन के कारण।

४. वाक्यविज्ञान — वाक्य की परिभाषा,वाक्य की आवश्यकताएँ तत्व,वाक्य और पदक्रम ,वाक्य का विभाजन,वाक्य के भेद प्रकार।

५. अर्थविज्ञान — स्वरुप, परिभाषा, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण।

६. लिपिविज्ञान — लिपि का अर्थ और स्वरूप,लिपि का इतिहास,देवनागरी लिपि का नामकरण, विशेषताएँ वैज्ञानिकता,गुण और दोष देवनागरी लिपि में सुधार।

संदर्भ ग्रंथ :—

१. सामान्य भाषाविज्ञान — डॉ.बाबूराम सक्सेना

२. भाषाविज्ञान की भूमिका — डॉ.देवेंद्रनाथ शर्मा

३. भाषाविज्ञान — डॉ.भोलानाथ तिवारी

४. भाषाविज्ञान — डॉ.शिवबालक द्विवेदी,प्रो.अवधकुमार चतुर्वेदी

५. भाषाविज्ञान और हिंदी — डॉ.केशवदत्त रूवाली

६. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

७. भाषा —विचार—प्रा.वा.ह.जोशी

८. सुबोध भाषाविज्ञान— डॉ.पीतांबर सरोदे / डॉ.विश्वास पाटील

९. हिंदी भाषा का इतिहास — डॉ. भोलानाथ तिवारी

१०. अभिनव भाषाविज्ञान — डॉ.ओमप्रकाश शर्मा

११. राष्टभाषा प्रचार का इतिहास — संपा.डॉ.गंगाशरण सिंह,श्री.गो.प.नेने.

१२. रजत जयंती ग्रंथ — संपादक,राष्ट्रभाषा प्रचार समिति,वर्धा

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रथम सत्र परीक्षा

समय : २ घंटे पूर्णांक : ६०

प्रश्न १.	दीर्घोत्तरी (२ में से १)	१५
प्रश्न २	दीर्घोत्तरी (२ में से १)	१५
प्रश्न ३.	टिप्पणियाँ (४ में से ३)	१५
प्रश्न ४.	अ). संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (७ में से ५)(पाँच से छह पंक्तियों में)	१०
	आ). वस्तुनिष्ठ प्रश्न — एक वाक्यीय (७ में से ५)	०५

कुल अंक ६०

वार्षिक परीक्षा

समय ३ घंटे पूर्णांक ८०

प्रश्न १.	दीर्घोत्तरी (प्रथम सत्र पर) २ में से १	१६
प्रश्न २	दीर्घोत्तरी (द्वितीय सत्र पर) २ में से १	१६
प्रश्न ३.	दीर्घोत्तरी (द्वितीय सत्र पर) २ में से १	१६
प्रश्न ४.	टिप्पणियाँ (प्रथम सत्र पर २/द्वितीय सत्र पर २) ४ में से २	१६
प्रश्न ५.	अ). संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (प्रथम सत्र पर ३/द्वितिय सत्र ३) ६ में से ४ (पाँच से छह पंक्तियों में)	०८
	आ). वस्तुनिष्ठ (प्रथम सत्र पर ५/द्वितिय सत्र ५) १० में से ८	०८

कुल अंक ८०